प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 11 अंक : 8 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 अक्टूबर, 2018 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

राजनीति की कबड्डी में पटखनी देना मुझे आता है:पायलट

सांगोद (कोटा)। कोटा जिले के सांगोद में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर मंगलवार को आयोजित सभा में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ने कहा कि हमारी संस्कृति में बड़ों का आदर किया जाता है। ये हमारे संस्कार हैं, लेकिन राजनीति की कबड्डी में पटखनी देना मुझे अच्छी तरह आता है। पायलट ने राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने कहा कि आज हाड़ौती में किसान

आत्महत्याएं कर रहे हैं। ये हमारा दुर्भाग्य है, लेकिन प्रदेश की मुखिया के पास इन किसानों के परिवारों के पास जाकर दुख-दर्द बांटने तक का समय नहीं है। उन्होंने भाजपा की प्रदेश की राजनीति में चल रहे घमासान पर भी जमकर प्रहार किए। उन्होंने कहा कि वसुंधरा हाड़ौती आती है तो भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नागौर जाते हैं, भाजपा की अंदरूनी लड़ाई खुलकर लोगों के सामने आ चुकी है। **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

पंकज कुमार धावनिया सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

सचिवालय के इतिहास में पहली बार एस.सी. का अध्यक्ष बना

जयपुर। राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के चुनाव हाल ही में संपन्न हुए जिसमें पंकज कुमार धावनिया अध्यक्ष निर्वाचित हुए। निर्वाचन अधिकारी प्रेम नारायण सेन ने बताया कि चुनाव में कुल 794 मत डाले गए जिनमें 287

मत पंकज कुमार धावनिया, देवेंद्र सिंह शेखावत को270, अभिमन्यु शर्मा को 169, कपिल देव को 65, एवं तीन मत रद्द हुए हैइसी प्रकार से पंकज कुमार धावनिया17 मतों से विजय हुए। मतदान के बाद पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

गौरतलब है कि सचिवालय के चुनाव में पंकज कुमार धावनिया अनुसूचित जाति वर्ग के पहले कर्मचारी अध्यक्ष बने हैं। इस अवसर पर सचिवालय के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों एवं परिवारजन द्वारा माला पहनाकर सम्मान कर बधाई दी गई।

जिला स्तरीय बैरवा सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

करौली। नादौती में दिनांक 30 सितंबर 2018 को जिलास्तरीय बैरवा महा सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन श्री विनोद कुमार बेरवा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्र्म के मुख्य अतिथि श्री हरिनारायण बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आरक्षण और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसके लिए आवश्यक कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को लिखने के लिये आश्वस्त किया गया।

अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जन जाति की छात्राओं की भांति अनुसूचित जाति की मेघावी छात्राओं **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कांग्रेस का जनसम्पर्क अभियान शुरू

आर्थिक सहयोग के लिए अभियान,पहले दिन रु. 2.35 लाख जमा

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता और जयपुर जिला अध्यक्ष प्रतापसिंह खाचरियावास ने गांधी जयंती पर पीसीसी में जन सम्पर्क और आर्थिक सहयोग अभियान की शुरूआत की। खाचरियावास ने कहा कि पूरे प्रदेश में राज्य सरकार के जुल्म, अन्याय, भ्रष्टाचार, महंगाई, तानाशाही और घमण्ड के विरोध में जन सम्पर्क अभियान शुरू किया गया है। कांग्रेस के कार्यकर्ता सभी वार्डों में बूथ स्तर पर घर-घर जाकर सम्पर्क करके लोगों से कांग्रेस के लिये समर्थन मांगेंगे। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से अवगत कराएंगे। कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से भाजपा का विरोध कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे। इस दौरान घर-घर से कांग्रेस पार्टी आर्थिक सहयोगी भी मांगेगी। इसी कड़ी में जयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ता और नागरिकों ने पहले ही दिन 2 लाख 35 हजार रूपये कांग्रेस पार्टी को सहयाग राशि देकर भाजपा सरकार का अंत करने का संकल्प किया।

खाचरियावास ने कहा कि एआईसीसीद्वारा 100, 500 और 1000 रुपये के कूपन छपवाये गये हैं। जो व्यक्ति कांग्रेस पार्टी को सहयोग करेगा, उसे एआईसीसी का कूपन दिया जायेगा। आर्थिक सहयोग अभियान कांग्रेस को आर्थिक रूप से सशक्त करके चुनाव में बड़ी ताकत प्रदान करेगा। इस अवसर पर खाचरियावास के साथ पूर्व मंत्री ब्रजकिशोर शर्मा, पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल, अर्चना शर्मा, मनोज मुद्गल, विमल यादव आदि मौजूद थे।

प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था के प्रदेशाध्यक्ष महेश धावनिया द्वारा पंकज कुमार धावनिया का सचिवालय संघ का अध्यक्ष बनने पर माला पहनाकर बधाई देते हुए।

एन एफ आई सी आई की कांफ्रेंस एवं कार्यशाला

जयपुर। देश भर के सूचना आयोगों ने सूचना का अधिनियम की मूल भावना के तहत पारदर्शिता व लोकहित को प्राथमिकता देते हुए ज्यादा से ज्यादा सूचनाओं को सूचना का अधिकार अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत स्वत: सार्वजनिक करने की आवश्यकता प्रकट की है। जयपुर में सूचना आयोगों के संगठन नेशनल फैडरेशन आफ इंफार्मेशन कमीशनंस इन इण्डिया एन एफ आई सी आई की दो दिवसीय कार्यशाला में यह संकल्प लिया गया। राजस्थान राज्य सूचना आयोग के संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता केन्द्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त श्री आर.के.माथुर ने की। इसमें देश भर के 16 राज्यों से 15 मुख्य सूचना आयुक्तों एंव 5 सूचना आयुक्तों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय बैरवा विकास संघ जिला शाखा अलवर के तत्वाधान में ग्राम माता डी राजगढ़ में बाबा साहब की मूर्ति का अनावरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि माननीय जितेंद्र जी गोठवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज जी गोठवाल प्रदेशाध्यक्ष भगवान वर्मा, प्रभु काकरवाल, रामकरण कुण्डारा, गिरिराज रेसवाल जय नारायण जी एवं अन्य अतिथि गण मूर्ति का अनावरण करते हुए प्रतिभाओं को सम्मानित किया

डॉ. अंबेडकर का एससी एसटी ओबीसी वर्ग के उत्थान का सपना अधूरा:राम लुभाया

जयपुर। डॉ भीमराव अंबेडकर एससी एसटी ओबीसी वर्ग के उत्थान का सपना अब तक अधुरा है इनके उत्थान हेतु संवैधानिक अधिकारों की व्यवस्था की आजादी के 71 वर्ष बाद भी इन जातियों को सामाजिक आर्थिक व शैक्षणिक अधिकार व शैक्षणिक अधिकार पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हुआ है यह विचार सेवानिवृत्त आईएएस एवं पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव व पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त राजस्थान सरकार ने राजस्थान विश्वविद्यालय स्थित अरावली छात्रावास मैं आयोजित अनुसूचित जाति एवं एवं जनजातियों के संवैधानिक एवं व्यवहारिक पक्ष विषय पर विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए दिए। उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन हेतु सामर्थ्य प्राप्त करनी होगी जो शिक्षा संगठन संघर्ष से ही हासिल होगा।

सत्ता में दलितों की प्रभावी भागीदारी अधिकारों की प्राप्ति नहीं होगी। उन्होंने आह्वान किया कि अभी वंचित वर्गों को संवैधानिक अधिकारों की प्राप्ति हेतु महात्मा ज्योतिबा फुले अंबेडकर के मार्ग पर चलते हुए एकजुट होकर संघर्ष करने हेतु सामाजिक जन चेतना का व्यापक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा। मुख्य वक्ता उदय चंद बारूपाल पूर्व जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने कहा की समाज में **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बैरवा छात्रावास का प्रथम तल लोकार्पण समारोह 14 अक्टूबर को

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति के तत्वावधान में जयपुर स्थित सेन्ट्रल स्पाइन-श्रीकिशनपुरा, जगतपुरा, जयपुर में बैरवा छात्रावास भवन के प्रथम तल का लोकार्पण समारोह रविवार, 14 अक्टूबर, 2018 को प्रात: 11.30 बजे छात्रावास प्रांगण में आयोजित किया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रशान्त बैरवा, सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी होंगे तथा समारोह की अध्यक्षता डॉ. आर.सी. बंशीवाल, वरिष्ठ प्रोफेसर (आर्थो), सवाईमानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर करेंगे।

समारोह में प्रथम तल के निर्माण में जिन भामाशाहों ने कमरे निर्माण के पेटे राशि रूपये 1,51,000 अथवा इससे अधिक राशि दी है उनका तथा निर्माणाधीन अवधि में इस कार्य में जिन महानुभावों का विशेष सहयोग रहा है उनका सम्मान किया जायेगा।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अत: समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सम्पादकीय

किसानों का आंदोलन

यह टकराव लगभग तय ही था। 23 सितंबर को जब हरिद्वार से किसान क्रांति यात्रा शुरू हुई थी, तो इसकी आशंका तभी से थी। आयोजक भी यह अच्छी तरह जानते होंगे कि 2 अक्तूबर को जब दिल्ली में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के आयोजन चल रहे होंगे और दुनिया भर के अतिथि यहां मौजूद होंगे, तब उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लदकर किसान घाट नहीं पहुंचने दिया जाएगा, जो महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट का ही एक हिस्सा है। राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के कार्यक्रम ऐसे अवसरों को ध्यान में रखकर ही बनाए जाते हैं। और यही हुआ भी। हजारों की संख्या में उमड़े किसानों को दिल्ली की सीमा पर बैरीकेड और दफा-144 वगैरह लगाकर रोक दिया गया। उस पर भी जब वे अड़े रहे, तो उन्हें पानी की धार और लाठियों से रोकने के वे तरीके भी अपना लिए गए, जो ऐसे मौकों की एक अनिवार्य रस्म बनते जा रहे हैं। लेकिन इतने भर से ही आंदोलन करने वालों को वह देशव्यापी प्रचार हासिल हो गया, जो शायद तब न हो पाता, जब वे नारे लगाते हुए किसान घाट पहुंचते और अपने विरोध आयोजन को निपटाकर लौट जाते। दिल्ली की सीमाओं पर जो हुआ, वह अगले कुछ दिन के लिए उनकी राजनीतिक पूंजी बन गया है। लेकिन जरूरत यह भी है कि देश की किसानी जिस संकट से गुजर रही है, उसे आंदोलन की इस नाटकीयता और पुलिस की कार्रवाई से अलग देखा जाए। यह पहला मौका नहीं, जब किसान खेतों को छोड़कर सड़कों पर उतर आए हों। अभी कुछ सप्ताह पहले ही महाराष्ट्र के किसानों ने नासिक से मुंबई तक लॉन्ग मार्च की थी। वे महाराष्ट्र विधानसभा का घेराव करना चाहते थे। जुलाई महीने में अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने दिल्ली में किसानों का एक बड़ा प्रदर्शन किया था। सिंतबर की शुरुआत में 23 राज्यों के किसानों ने दिल्ली से रामलीला मैदान तक एक बड़ा प्रदर्शन किया था। भले ही किसानों के ये प्रदर्शन अलग-अलग समय और देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए हों, लेकिन इनकी बहुत सी मांगें समान रही हैं। मसलन, स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट पूरी तरह लागू करना, फसलों के ज्यादा समर्थन मूल्य देना, कर्ज माफी, किसानों के लिए पेंशन की व्यवस्था बनाना वगैरह। ताजा आंदोलन में जो किसान उमड़े, वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना क्षेत्र के थे और उनकी एक बड़ी समस्या है, चीनी मिलों से बरसों के बकाये का न मिलना।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

बहुजनों की दुर्दशा का जिम्मेदार कौन ?

गतांक से आगे

हमें डर सिर्फ यही है कि आज भ्रष्टाचार के मूल कारण 'जातिगत् वर्ग संघर्ष को छिपाकर उससे फैली अव्यवस्था के मीडिया में प्रचार की गति हमारे संघर्ष की गति से तेज न निकले। धन और मीडिया के बल पर सोच-समझे षड्यंत्र के तहत जो अराजकता फैलाई जा रही है, उसे संविधान की विफलता साबित किया जा सकता है। और तब हमारी भोली-भली जनता संविधान का विरोध करके अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार लेगी। इसीलिए बाबा साहब पहले ही कह गए थे 'संविधान कितना ही अच्छा क्यों न हो, उसे मानने वाले बुरे होंगे तो उसका लाभ नहीं हो पायेगा।' जनता का नाम लेकर सत्ता पलट या संविधान पलट न हो जाये, ऐसे होने पर हमारे विरोध और अपने पक्ष का संविधान या कानून बना लेंगे। इसलिए सावधान!

मैं समझ सकता हूं कि हमारा सक्षम वर्ग किसी नेता की रैली में भीड़ बढ़ने का काम तो नहीं करेगा, पर वो उससे भी कहीं ज्यादा जरूरी काम कर सकता है। कुछ खास नहीं तो जो कर सकते हो वो तो करो जैसे- अंबेडकरवादियों को वोट करो, उन्हें चंदा दो, मिशन की किताबें खरीद कर अपने लोगों में बांटों, विचार और सुझाव देना, लेखन कार्य करना, एन.जी.ओ. ट्रस्ट, स्कूल में किसी मेधावी बहुजन को स्कॉलरशिप देना आदि। जो

जिस लायक है उसे वही काम करना चाहिए, जो भीड़ बढ़ा सकता है वो भीड़, जो धन दे सकता वो धन, जो विचार दे सकता है वो विचार, कुछ तो करो, संघर्ष के लिए सब कुछ जरूरी है। भगवान् बुद्धा ने कहा है कि संसार में तीन प्रकार के लोग हैं : 'एक जो केवल अपना भला करते हैं दूसरों का नहीं, दूसरे जो अपना भला नहीं करते केवल दूसरों का भला करते हैं, तीसरे वो जो अपना भी भला करते हैं व दूसरों का भी। ये ही श्रेष्ठ हैं।'

इनमें से हमें तीसरा बनना है। बिना जमीन वालों को अंबेडकर मिशन ने जमीन के पट्टे दिलाये, बिना नौकरियों वालों को नौकरी करने लायक बनाया और नौकरियां दिलाईं। अब ये लोग उस मिशन के लिए कुछ न करें तो क्या समस्त कौम पतन की तरफ नहीं चली जाएगी? बहुजनों का सम्पन्न होना विरोधियों को खटक रहा है और अंदर ही अंदर वो दमन की नीति बनाकर चल रहे हैं।

अगर ये सफल हो गए तो क्या होगा, कभी सोचा। पता नहीं हमारे सक्षम लोग ये क्यों नहीं समझते कि जब भी बहुजनों का दमन किया जाएगा, इनको भी बक्शा नहीं जाएगा।

18 मार्च 1956 को को बाबा साहब अंबडेकर ने दु:खी होकर आगरा के बे-जमीन वाले लोगों ; बहुजन समाज को इकट्ठा करके ऐलान किया था कि 'अंग्रेजों ने मेरी बात मान ली थी, लेकिन दुनिया की हालत बदलने के कारण उनको देश छोड़ना पड़ा। अंग्रेज चले गये। जिन लोगों के हाथों में जमीन आई। वो कहते हैं अगर बे-जमीन वाले लोगों को हमने खेत दे दिये तो हमारे खेतों में मज़दूरी कौन करेगा? इसलिए मैं मजबूर हूं। बाबा साहब अंबेडकर ने उस वक्त आगरा में दु:खी होकर लाखों बे-जमीन वाले लोगों से कहा कि ये काम, जिसकी अंग्रेजों ने हां भरी थी कि वो हमारे लिए सेपरेट इलेक्टोरेट बनायेंगे, सेपरेट सेटलमेंट बनायेंगे, अलग से हमारे रहने के लिए बस्तियां बनायेंगे, जिनमें हम करोड़ों लोग रहेंगे और अपने बलबूते पर अपने एमएलए चुनकर भेजेंगे और लोकल सेल्स गर्वमेंट खुद चलायेंगे। इस बात को अंग्रेजों ने मान लिया था, लेकिन आज की सरकार नहीं मान रही है। मेरा ज्यादा समय पढ़ाई-लिखाई के मामले में, रिजर्वेशन के मामले में, हमारे समाज में इंजीनियर्स, डॉक्टर, वकील पैदा हो, अधिकारी पैदा हो, कर्मचारी पैदा हो, इसमें मेरा बहुत ज्यादा समय लग गया है। लेकिन मैं आज देख रहा हूं कि ये पढ़े-लिखे कर्मचारी। ये तो एक क्लास; वर्ग बनकर रह गये, एक अलग कास्ट बनकर रह गये हैं। जिन लोगों में ये पैदा हुए हैं, उन लोगों का इनको कोई ख्याल नहीं है। हमारा गरीब समाज नीचे की ओर जा रहा है और ये अधिकारी लोग ऊपर को जा रहे हैं। इन दोनों का कोई मेल-मिलाप नहीं है। इसलिए मुझे ऐसा लगता है कि इस बढ़ती हुई उम्र में मैं लाठी लेकर आगे-आगे चलूंगा और आप लोग मेरे पीछे-पीछे चलें। अपने लोगों की बस्तियां बनाना, ये हमारी जरुरत है। आज की सरकार यह नहीं करना चाहती है। ये काम हमारा है, हमारी जरूरत है, हमारी जरुरत हमें ही पूरी करनी होगी।' मान्यवर कांशीराम जी ने 7 जुलाई 2002 को दिल्ली के रामलीला मैदान में नारा लगाना शूरू किया था - 'जो जमीन सरकारी है, वो जमीन हमारी है।' हम लोगों ने बाबा साहब अंबेडकर के प्रयासों से प्रेरित होकर, जो हमें वोट का अधिकार लेकर दिया, उस वोट के अधिकार को ध्यान में रखकर हम लोगों ने नारा बनाया है, 'वोट हमारा राज तुम्हारा, नहीं चलेगा, नहीं चलेगा।' आज हमारे लोग चौधरी बन कर उन्हीं विभिन्न धर्म स्थलों, सत्संग आदि में अपना समय और दान दे रहे हैं, जहां हमारे दमन नीति के सृजक बैठे हैं।

हमारे लोग ये क्यों भूल जाते हैं कि इनका नाम और रूप बदल जाता है, पर नियत कभी नहीं बदलेगी। पता नहीं हमारे सक्षम लोग ये कब समझेंगे कि आज जिस खुशहाली से वो जीवन बिता रहे हैं उसके लिए बहुत ज्यादा संघर्ष हुआ है। जिसको आगे ले जाना इनका कर्त्तव्य है। बाबा साहब ने हमें जो उपलब्धियां दिलाईं। उनका आनंद तो लेते हो, पर उनके संघर्ष से भी तो कुछ प्रेरणा भी तो लो, बाबा साहब की निम्न पंक्तियां देखिये -'जब मेरे प्यारे बेटे गंगाधर का बीमारी के कारण निधन हुआ, तब उसके मृतदेह को ढकने के लिए नए कपड़े लाने के लिए लोगों ने मेरे से पैसे मांगे, पर मेरे पास उतने भी पैसे नहीं थे तब मेरी पत्नी ने साड़ी का एक टुकड़ा फाड़ कर दिया और हम गंगाधर को श्मशान ले गए। मैंने मेरी जिंदगी में गरीबी के जो दिन देखे है, वो भारत के किसी नेता ने नहीं देखे होंगे, फिर भी मैंने मेरी गरीबी के कारण कभी मेरा आत्म-सम्मान और मेरे आंदोलन को कभी पीछे हटने नहीं दिया, ऐसी गरीबी में भी मैंने अपने आपको किसी के हाथो बिकने नहीं दिया। नदी में सैंकड़ों वर्षों से पड़ा हुआ पत्थर अब बाहर निकाला जा चुका है। उसमें रगड़ लगते ही चिंगारी पैदा होगी, जो अन्याय के किले को जलाकर जमींदोज कर देगी।'

झूठी मोहब्बत से अदावत बेहतर,
सौ दिन की गुलामी से बगावत बेहतर।

जो भी हो मैं कोशिश जारी रखूंगा। मैं मिशन का प्रचार, समय, विचार, दिशा और लेखन दे सक्ता हूं तो दे रहा हूं। मुझे यकीन है इस मिशन से समाज को फायदा अवश्य होगा।

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 24 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, जीनवाल, सामने मीमरोठ ना हो। मो.-8104196500
* दौसा निवासी, 26 वर्ष (बाएं पैर से विकलांक), शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में जे.ई.एन., पी.एच.ई.डी. जयपुर, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-सेवारिया, कुवाल, बड़गोतिया, मो.-9414369867
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., गौत्र-मीमरोठ, जाटवा, बंशीवाल, सामने लकवाल व मुराड़िया ना हो, मो. 7976069646
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-टाटीवाल, बड़गौती (लाड़ोतिया), जारवाल, सामने मेहर ना हो, मो. 8058613154
* बारां निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.एस., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-मीमरोठ, जारवाल, सिवतिया
* जयपुर निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए, पीजीडीसीए पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भूराहाड़िया, गोनावत, सिरोहिया, मो. 7597493946
* जयपुर निवासी तलाकशुदा, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-टाटीवाल, मेहर, चरावण्डिया, सामने जाटवा ना हो, मो. 9413488484
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., एम.बी.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-लोदवाल, मरमट, बंशीवाल, मो.-0141-2705878, 8952981915
* जयपुर निवासी , 26 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-बैंक सेवा, गौत्र-बड़गौती, लोदवाल, गुणावत, टाटु, मो. 9829586328
* दिल्ली निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-जोनवाल, कुण्डारा, सुलानिया, मो. 9810068173
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम कॉम, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम एससी, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसोदिया, जाटवा, लोडतिया, मो. 9351968820

वधू चाहिए

* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बीसीए, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-देवतवाल, जारवाल, भहरवाल, मो.-9950714872
* हनुमानगढ़ निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-10वीं पास, प्राईवेट सर्विस, गौत्र-बंशीवाल, चरावण्डिया, नीमरोठ
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बीए, एमए, निजी ज्वैलरी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9829542057
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, शिक्षा-बीए, एलएलबी, कर सलाहकार, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल+जाटवा, मो.-9782199234
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-दसवीं, बिग बाजार में ज्यूस की दुकान पर सर्विस, गौत्र-लोदवाल, गोठवाल, बीलवाल
* गंगापुरसिटी निवासी, 32 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-बैंक सेवा, गौत्र-लोदवाल, माली, बागोरिया, मो.-7073799722, 9530157307
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.सी.ए., वर्तमान में अशोक लीलैण्ड कम्पनी में अकाउंटेंट, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बड़ोदिया, नागरवाल, टाटीवाल, जाटवा, मीमरोठ, मो.-9950391188
* टोंक निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.बी.ए., एम.बी.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहरा, गोमलाडू
* टोंक निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., वर्तमान में स्वयं की वेबसाइट डिजाइन ऑफिस, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोमलाडू, मीमरोठ, कुण्डारा, सामने तलावलिया ना हो
* गोनेर (जयपुर) निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., कम्प्यूटर इंजीनियर, स्वयं का कोचिंग सेन्टर, पिता-निजी कार्य, गौत्र-गोठवाल, बंशीवाल, मीमरोठ, मो.-9887183044
* बीकानेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी. फार्मेसी, वर्तमान में एम.आर. का कार्य, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-रेवाड़िया, मेहर, माली, मो.-9602211924

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

राजनीति की कबड्डी में पटखनी...

(शेष पृष्ठ 1 का)

हाड़ौती स्तरीय सभा सांगोद स्थित महाराव भीम सिंह स्टेडियम में पूर्व मंत्री भरतसिंह के आह्वान पर आयोजित थी।

प्रधानमंत्री ने लोगों की जेब में डाका डाला:तरूण कुमार

एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव व राजस्थान प्रभारी तरुण कुमार ने कहा कि देश में आने वाले चुनाव विचारधाराओं के आधार पर लड़े जाएंगे। कांग्रेस की विचारधारा देश को एकता व सौहार्द बढ़ाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने लोगों की जेब में डाका डालकर गरीबों का पैसा उद्योगपतियों को सौंपा। पूर्व मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जिन्हें पूरा देश पूजता है, शहीद दिवस के दिन दो वर्ष पूर्व जिस तरह से यहां बापू की प्रतिमा को हटाकर छेड़छाड़ की गई ये राजस्थान सरकार की सोची समझी रणनीति का हिस्सा था।

इस मौके पर हिंडौली विधायक अशोक चांदना ने भी केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर प्रहार किए तथा कहा कि चुनाव के वक्त भाजपा फिर झांसे की रणनीति करके हव्वा खड़ा करेगी। जनता इनके कारनामे जान चुकी है।

इंजीनियरिंग कॉलेजों के सरकारी होने से सबको लाभ ही है

यदि वर्तमान सरकार आचार संहिता लागू होने से पहले राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों को पूर्णत: सरकारी बना देती है तो यह न केवल सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी, बल्कि राज्य को विज्ञान, तकनीकी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र मे नई ऊँचाईया देने के मामले में भी अभूतपूर्व निर्णय होगा।

किसी भी देष अथवा भू भाग के विकास में विज्ञान का बहुत योगदान होता है। विज्ञान के ही कई आयाम है जिनमें तकनीकी, इंजीनियरिंग मेडिकल आदि से लगभग सभी परिचित हैं। आज यदि अमेरिका, इंग्लैण्ड, रूस, जापान, फ्रांस आदि देष हमसे आगे हैं तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि अधिकतर अविष्कार इन देषों में हुए हैं और दूसरे देषों ने उनके पेटेण्ट खरीदे हैं या उनका उपयोग-भर किया है। इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये कॉलेजों का होना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि कम कीमत पर यह षिक्षा विद्यार्थियों तक पँहुचना भी चाहिये और कॉलेजों में रिसर्च के प्रति अभिरुचि और सुविधायें भी होना चाहिये। हमारे देष के कोने-कोने में ऐसी प्रतिभाएं बिखरी हुई हैं जिन्हें मात्र आर्थिक सम्बल भी समय पर मिल जाये तो देश का नाम दुनिया में रोशन कर सकती हैं। सुपर 30 पिछले कुछ वर्षों से इसी प्रकार की प्रतिभाओं को तराषने में लगा हुआ है।

सरकारी स्तर पर यही कार्य सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज खोल कर किया जा सकता है। वर्तमान में राजस्थान सरकार के 13 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, पर ये सभी स्वायत्तषासी हैं। इनकी अपनी-अपनी सोसायटी हैं, अपना-अपना बोर्ड ऑव गवर्नेस है जो स्थानीय स्तर पर निर्णय लेते हैं जो कि सिर्फउसी कॉलेज पर लागू होते हैं। होने को तो 100 के आसपास प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज भी हैं, पर एक तो इनकी षिक्षा महंगी है, अलग से कई प्रकार के चार्ज इनके द्वारा वसूले जाते हैं और इनका उद्देष्य मुनाफा कमाना मात्र होता है, रिसर्च, सबको सस्ती षिक्षा और जनहित प्राथमिक उद्देष्यों में शामिल नहीं होते हैं। अत: ये सर्व सुलभ नहीं कहे जा सकते हैं।

आज के युग को देखते हुए यह आवष्यक है कि राज्य के सभी स्वायत्तषासी इंजीनियरिग कॉलेजों को पूर्णत: सरकारी कॉलेजों का दर्ज़ा दे दिया जाये और इनका सारा हिसाब-किताब भी राज्य सरकार के ही अधीन हो। इससे आम जनता से लेकर कार्मिकों और सरकार तक, सबको फायदा ही फायदा होगा।

1. जनता को लाभ:- वर्तमान में स्ववित्तपोषित सीट पर लगभग 70-75 हजार रुपये प्रतिवर्ष फीस ली जाती है। अगर कॉलेज सरकारी हो जाते हैं तो ट्यूषन फीस माफहो जायेगी, अत: ली जाने वाली फीस लगभग आधी हो जायेगी। इससे निर्धन छात्रों की आर्थिक परेषानी कम होगी।

इसके अलावा आर्थिक पिछड़ा वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति भी मिलने लगेगी। मैं पिछले तीन वर्षों से टेक्सटाइल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज भीलवाड़ा में छात्रवृत्ति सम्बन्धी कार्य देख रहा हूं। सरकार के नियमानुसार आर्थिक पिछड़ा वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति तभी मिलती है जब वे राजकीय कॉलेजों में ही पढ़ रहे हों। जब भी हमारे कॉलेज का कोई छात्र इस कैटेगरी में फार्म भरता है, उसका फार्म उपरोक्त कारण से रद्द हो जाता है। पिछले कई सालों से इस कॉलेज से इस वर्ग के किसी भी छात्र को इसी कारण कोई छात्रवृत्ति नहीं मिली है। अपने स्तर पर हम सभी कोषिषें कर चुके हैं, पर कॉलेज को सरकारी बनाना तो राज्य सरकार का ही कार्य है। इससे निर्धन वर्ग के छात्रों को दोहरा लाभ होगा, एक तो फीस ही कम लगेगी, दूसरे उन्हें छात्रवृत्ति भी मिल सकेगी।

2. कॉलेज के प्राचार्य और वरिष्ठों के एकाधिकार का खात्मा:- अभी स्वायत्तषासी होने से ये अपने नीतिगत फैसले स्वयं ले सकते हैं। कई बार इनके निर्णय छात्रों और कर्मचारियों के विरोध में होते हैं तो कई बार ऐसे निर्णय लेते ही नहीं हैं जो कि कर्मचारियों के हित के हों। उदाहरणार्थ- चाहे जिस व्यक्ति को कॉलोनी में क्वार्टर अलॉट कर देना और जिसको आवष्यकता हो, उसे नहीं देना, यहाँ तक कि जिसका स्वयं का मकान कॉलेज की बगल में हो उससे वर्षों तक क्वार्टर खाली नहीं करवाना, छात्रों के लिये कैण्टीन आदि की सुविधा न होने देना, पुस्तकालयों की व्यवस्था सही नहीं होने देना, ताकि सम्बन्धियों की दुकानें ठीक से चल सके। कॉलेज में सार्वजनिक सुविधाओं की साफ-सफाई में जानबूझकर लापरवाही करने देना और जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा सुनवाई नहीं करना, क्योंकि प्राचार्य का वरदहस्त होना। और भी कई कार्य ऐसे होते हैं जिनसे पदस्थ उच्च कर्मचारियों के एकाधिकार की झलक मिलती है। इससे गरीब तबके के तथा आर्थिक रूप से कमजोर कर्मचारी मन मारकर नौकरी करने को विवष होते हैं जबकि उच्च पदस्थ और आर्थिक रूप से सम्पन्न कर्मचारियों पर कोई असर नहीं पड़ता है। हमारे कॉलेज में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम का मामला इसी कारण से आज तक अटका पड़ा है। वैसे इस स्कीम से हर फेकल्टी मेम्बर की ग्रेड पे बढनी थी। किसी की 6000 से 7000 तो किसी की 7000 से 8000, कुछ की 8000 से 9000 व 9000 से 10000 भी होनी थी और इस प्रकार लगभग सभी को फायदा होना था, परन्तु पचासों बार मीटिंग की, कभी 2-3 तो कभी 5-7 मेम्बर्स से अधिक नहीं आये। गम्भीरता से किसी ने इस मामले को लिया ही नहीं और फिर प्राचार्य तथा लेखाधिकारी इसी फूट का फायदा उठा कर मनमाने ढंग से नचाते रहे। आज राज्य के कई इंजीनियरिंग कॉलेजों को न केवल 6000 से 7000 ग्रेड पे का फायदा मिल चुका है, बल्कि 7000 से 8000 का फायदा भी मिल चुका है और आगे की ग्रेड पे के लिये उनकी फाईलों पर कार्रवाही चल रही है और आचार संहिता लगने से पहले-पहले सारे लाभ उन्हें मिल सकते हैं। हमारे कॉलेज में 6000से 7000 के लिये तरस रहे हैं!!

2009 में कॉलेज में अंतिम बार डीपीसी हुई थी, जिसमें भी मनचाहे लोगों को पदोन्नत कर दिया गया और कईयों को छोड़ दिया गया, जिनमें कई काबिल भी थे।आज हम कोई बात लेकर प्राचार्य के पास जाते हैं जो कर्मचारियों के हित की हो तो वे कभी राजस्थान सर्विस रूल्स का हवाला देते हैं तो कभी सोसायटी रूल्स का और कर्मचारियों का हित टाल जाते हैं।कोई जिम्मेदारी लेना नहीं चाहते, जबकि अधिक काम लेने वाली बात हो या चुनाव आदि में कर्मचारियों की ड्यूटी का मामला हो झट कह देते हैं-आप सरकारी कर्मचारी हो, आपको यह करना ही पड़ेगा। पूर्णत: सरकारी कॉलेज होने स यह फायदा होगा कि स्पष्ट गाईडलाईन होगी कि यह कार्य करना होगा और यह नहीं। साथ ही इस कैडर के कर्मचारी को यह लाभ-परिलाभ कब-कब मिलने हैं, सब स्पष्ट होगा।

अगर यह कॉलेज सरकारी होता तो फेकल्टी मेम्बर्स को इतना संघर्ष नहीं करना पड़ता। नियमानुसार जितने भी लाभ-परिलाभ मिलने होते, वे समय पर मिल जाते और किसी तरह की कडुवाहट नहीं रहती। कई योजनाएं केवल सरकारी कर्मचारियों के लिये ही होती हैं जिनका फायदा आज तक स्वायत्तषासी संस्थानों के कर्मचारियों को नहीं मिल पाया है, वह भी सरकारी होने पर मिलने लग जायेगा।

3. समय का सदुपयोग अध्यापन, रिसर्च और कॉलेज के विकास कार्यों में कर सकेंगे:- जैसा कि पूर्व के बिन्दू में लिख चुका हूँ- हमारे कई फेकल्टी मेम्बर्स को पाँचवें वेतनमान का तो कईयों को छठे वेतनमान के अनुरूप मिलने वाले लाभ का इंतजार हैं। इसी को लेकर हम लगभग 6-7 साल से संघर्षरत हैं। हमारे हजारों घण्टे और हजारों रुपये इस बेकार के बेहूदा काम में फुंक चुके हैं। लेकिन यह लेख लिखे जाने तक हमें न पाँचवें वेतनमान के अनुरूप लाभ मिला, न छठे के अनुरूप। सातवें के अनुरूप मिलना तो आसमान के तारे तोड़कर लाना जैसा है।

अगर यह कॉलेज सरकारी होता तो जो समय नेताओं-मंत्रियों के चक्कर काटने में, अधिकारियों से मिलने में, धरने-प्रदर्षन करने और बड़े-बड़े लेख लिख कर छापने में व्यर्थ हुआ, वह छात्रों के उचित अध्यापन में, रिसर्च या कॉलेज के विकास हेतु कार्य करने में व्यतीत होता। अब भी यदि कॉलेज सरकारी हो जाता है तो आगे समय का सदुपयोग हो पायेगा।

4. छात्रों को रोजगार मिलने में आसानी रहेगी:-वैसे डिग्री यूनिवर्सिटी देती है लेकिन सब कोई जानते हैं कि प्राईवेट कॉलेजों और सरकारी कॉलेजों में पढ़ाई और सुविधाओं के स्तर में कितना अंतर होता है। यह बात नियोजक भी जानते हैं और इसी के आधार पर छात्रों का प्लेसमेंट होता है।

5. वैज्ञानिक तरक्की को बढावा मिलेगा:-यह एक दुखद पहलू है कि इंजीनियरिंग, तकनीकी और विज्ञान क्षेत्र के फेकल्टी मेम्बर्स को अपने हक पाने के लिये धरने और प्रदर्षनों पर बैठना पड़ता है। जिनका समय प्रयोगषालाओं में छात्रों के साथ किसी तकनीकी समस्या पर वाद-विवाद करने और उसे सुलझाने में व्यतीत होना चाहिये, वह समयधरने और प्रदर्षनों जैसे फिजूल के कार्यों में ज़ाया हो रहा है। जिन हाथों को सृजन के किसी कार्य में या चॉक-डस्टर लेकर क्लासों में विद्यार्जन कराना था, वे ही हाय-हाय, जिन्दाबाद-मुर्दाबाद में लहराने लग गये!! पूर्णत: सरकारी कॉलेज कॉलेज होने से जो भी निर्णय होगा, वह सभी कॉलेजों पर समान रूप से लागू होगा और उसका कोई विरोध भी होगा तो समाधान शीघ्र ही हो जायेगा।

अत: जितना जल्दी हो सके, सरकार को राज्य क सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों को पूर्णत: सरकारी कर देना चाहिये।

-श्याम सुन्दर बैरवा
सहायक प्रोफेसर (वस्त्र रसायन)
(पीएच डी स्कॉलर)
माणिक्यलाल वर्मा टेक्सटाईल्स एवं इंजीनियरिंग कॉलेज, भीलवाड़ा
सम्पर्क:-01482-240433, 08764122431, पता-सी-323, आजाद नगर, भीलवाड़ा.राजस्थान 311001

विटामिन कम करेंगे मोतियाबिंद का खतरा

रोजाना मल्टीविटामिन लेने से मोतियाबिंद का खतरा 10 फीसदी कम होता है।

इसके लिए हावर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने अमरीका के कुछ डॉक्टरों को रोजाना मल्टीविटामिन के साथ विटामिन सी.ई. और बीटा कैरोटीन की खुराक दी व शेष को प्रायोगिक दवाएं। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रायोगिक दवाएं लेने वाले डॉक्टरों में मल्टीविटामिन समूह की तुलना में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा था।

अदरक डायबिटीज में फायदेमंद

डाइबिटीज काबू में तो रखा जा सकता है, लेकिन मेडिकल साइंस में अब तक ऐसी कोई दावा नहीं बनाई जा सकी है, जो इस रोग से पूरी तरह छुटकारा दिला सके। गोलियां, इंजेक्शन और नियमित लाइफस्टाइल ही इस रोग पर काबू पाने का बेहतरीन उपाय माना जाता है। हाल ही में हुए शोधों के अनुसार अदरक ऐसी औषधि है, जिससे न केवल डायबिटीज को काबू किया जा सकता है बल्कि इससे कई अन्य रोगों से भी निजात पाई जा सकती है।

शुगर का स्तर कम होता है-डायबिटीज में कोशिकाएँ शरीर में बनने वाली शुगर को अवशोषित नहीं कर पाती। जिससे शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है। सिडनी यूनिवर्सिटी ने एक शोध में पाया कि अदरक शरीर में शुगर अवशोषित करने में मदद करती है। यह शोध चूहों पर सफल रहा है। अगर इंसानों पर भी यह कामयाब रहा तो डायबिटीज के मरीजों को इंसुलिन पर निर्भरता काफी कम हो सकती है।

मोतियाबिंद से राहत-डायबिटीज के रोगियों के साथ एक बडा खतरा आंखों की रोशनी का भी होता है।

ऐसे रोगी मोतियाबिंद के शिकार हो जाते हैं और धीरे-धीरे उनकी आंखों की रोशनी भी जा सकती है। एक शोध के मुताबिक अदरक का अर्क न सिर्फ मोतियाबिंद होने से रोकता है बल्कि इससे पीड़ित रोगियों में ये रोग बढ़ने की गति को भी कम कर देता है। **ताजी** अदरक को पीसकर और इसमें थोड़ा कपूर मिलाकर सूजन व दर्द वाले अंगों पर लगाने से काफी आराम मिलता है। **शरीर** के किसी हिस्से पर चोट लगने पर अदरक का लेप लगाएं। जब लेप सूख जाए तो इसे साफ करके गुनगुने सरसों के तेल में मालिश करें। इसे एक-दो बार किया जाए तो मोच के दर्द में आराम मिलता है। **शरीर** के किसी हिस्से पर चोट लगने पर अदरक का लेप लगाएं। जब लेप सूख जाए तो इसे साफ करके गुनगुने सरसों के तेल से मालिश करे। इसे एक-दो बार किया जाए तो मोच के दर्द में आराम मिलता है।

डॉ. आंबेडकर का एससी एसटीं... (शेष पृष्ठ 1 का)

आरे वर्तमान बदलाव को समझने और सीखने की जरूरत है जैसे-जैसे आधुनिकता बढ़ रही है वैसे हमें भी तैयार रहना है क्योंकि साइबर क्राइम इतने बढ़ रहे हैं हमें सचेत रहने की जरूरत है जो भी सूचनाएं आदान प्रदान करें उसकी पुख्ता जानकारी आपके पास होनी चाहिए जिससे आपको कोई चैलेंज नहीं करें उसके लिए हमें अध्ययन करने की आवश्यकता है। शिक्षा ही वास्तविक पूंजी है इसको बढ़ाने के लिए समय की आवश्यकता है।उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही हमें अपने मूल अधिकारों को प्राप्ति ओर ले जाने का मार्ग है। अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलसचिव केसर लाल मीना ने कहां की विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को कोई भी नहीं आएगी उसका समाधान तुरंत प्रभाव से किया जाएगा जिससे अध्ययन में कोई बाधा नहीं आएगी। व्याख्यान के दौरान प्रोफेसर सुमन सुमन मौर्य एवं छात्रसंघ अध्यक्ष विनोद जाखड़ एवं आवास अधिकारी डॉ करतार सिंह सहित ने अपने विचार व्यक्त किए । विचार गोष्ठी की शुरुआत भारत रतन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के पुष्पांजलि अर्पित कर शुरुआत की और समारोह के अंत में एवं छात्रावास में आयोजित की गई पूर्व में निबंध प्रतियोगिता एवं वाद विवाद प्रतियोगिता मैं प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर नकद राशि देकर पुरस्कृत किया गया उसके बाद परिसर में पौधारोपण किया गया।

जिला स्तरीय बैरवा सम्मेलन एवं... (शेष पृष्ठ 1 का)

के लिए भी निशुल्क स्कूटी योजना लागू कराने के लिए राज्य सरकार का आवश्यक कार्रवाई के लिए ध्यान आकर्षित किया जाएगा । साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में बैरवा समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए इसलिए दोनों दलों को आवश्यक पत्र व्यवहार कर उचित संख्या में टिकटों की मांग की जाएगी । समाज बंधुओं को कहा कि आने वाले चुनाव में संगठन और एकता का परिचय देकर अपने उम्मीदवार को जिताना होगा।

बाबूलाल महुआ प्रदेश उपाध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी समाज का विकास शिक्षा और सँगठनके बिना संभव नहीं है इसलिए अपने बालक बालिकाओं को अच्छी शिक्षा और संस्कार दिलाना आवश्यक है।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उनके माता पिता को धन्यवाद देते हुए कहा कि बच्चों को ऐसी तामील दी जावे कि नौकरी के बजाय व्यवसाय के क्षेत्र में अ

आगे बढ़ते जाएं। उन्होंने कहा कि नौकरीमाँगने वाले नहीं नौकरी देने वाले बनो। बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए आर्थिक स्थिति मजबूत होना आवश्यक है इसलिए समाज में फैली कुरीतियों जैसे मृत्यु भोज की बैठक में भोजन/ नाश्ते की व्यवस्था आदि कुरीर्तियों को जड़ मूल से उखाड़ना होगा । उपस्थित जनों को मृत्यु भोज एवँ तिये की बैठक में भोजन नहीं करने हेतु शपथ लेने के लिए प्रेरित किया गया ।मंच संचालन श्रीमन बैरवा जिला अध्यक्ष ने किया । प्रतिभावान छात्र/ छात्राओं को मोमेंटो व नगद राशि देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में श्री रामेश्वर बंसीवाल प्रदेश उपाध्यक्ष श्री हीरालाल बेरवा प्रदेश प्रचार मंत्री ने भी भाग लिया। अन्त मे अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त कर सभा का समापन किया।

पत्रकारिता को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता:भण्डारी

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनीष भण्डारी ने कहा है कि पत्रकारिता ने लोकतंत्र के तीनों स्तम्भों को मजबूत करने का काम किया है, जिससे देश में लोकतंत्र की जड़े अधिक गहरी हुई हैं। भण्डारी सोमवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष अभय जोशी के शपथ ग्रहण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। जस्टिस भण्डारी ने कहा कि पत्रकारिता के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है, ऐसे में पत्रकारिता को और अधिक मजबूत करने की आवश्यता है। इस दौरान उन्होंने प्रेस क्लब के अध्यक्ष अभय जोशी को शपथ दिलाई।

जोशी ने कहा कि वे प्रेस क्लब के विकास के लिए एक चौकीदार के रूप में और अधिक बेहतर काम करेंगे। निवर्तमान अध्यक्ष राधारमण शर्मा ने अपने छह माह के कार्यकाल का संक्षिप्त विवरण रखा। आभार प्रेस क्लब महासचिव मुकेश चौधरी ने व्यक्त किया, जबकि मंच संचालन धर्मवीर चन्देल ने किया।

एम्बुलेंस सेवा हुई शुरू–प्रेस क्लब के सदस्यों एवं उनके परिजनों के बीमार होने पर महात्मा गांधी अस्पताल की ओर से एम्बुलेंस सुविधा का फीता काटकर उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने बापू को श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी जयन्ती के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रीमती राजे मंगलवार प्रात: गांधी सर्किल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थल पर पहुंचीं और बापू को नमन कर उन्हें याद किया। श्रीमती राजे ने इस अवसर पर कहा कि हम सबको बापू के दिखाए हुए रास्ते पर चलने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सबको गले लगाकर अपने सपनों का राजस्थान बनाना है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्कूली छात्राओं द्वारा गाए गए महात्मा गांधी के प्रिय भजन सुने। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री कालीचरण सराफ, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष जसबीर सिंह, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सुमन शर्मा, विधायक सुरेन्द्र पारीक तथा महापौर अशोक लाहोटी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पायलट ने की सहकारी बैंकों के समझौते को लागू करने की मांग

जयपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ने सहकारी बैंकों से संबंधित 15वें वेतन समझौते को शीघ्र लागू करने की मांग की है। पायलट ने बताया कि भाजपा सरकार बनने के बाद एक जनवरी, 2014 से प्रदेश के शीर्ष सहकारी बैंक और 29 केन्द्रीय सहकारी बैंकों के कार्मिकों का 15वां वेतन समझौता लम्बित है। राज्य सरकार कभी कमेटी गठित करने तो कभी वेतन समझौते का प्रावधान नहीं होने का बहाना बनाकर इस समझौते को लागू नहीं कर रही है।

आर्थिक आपातकाल की स्थिति = कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पायलट ने भाजपा सरकार की कथित महंगाई बढ़ाकर जनता का शोषण करने की नीति को आर्थिक आपातकाल करार दिया है।

पायलट ने बताया कि भाजपा सरकार जिस नीति के तहत काम कर रही है, उससे आम जनता पर अप्रत्याशित महंगाई का भार पड़ रहा है और जनता की क्रय शक्ति बुरी तरह से प्रभावित हो गई है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं।

आदिवासी मीना सेवा संघ एवं विभिन्न संगठनों के द्वारा आयोजित सम्मेलन सम्पन्न

दौसा। राजस्थान आदिवासी मीना सेवा सँघ दौसा के तत्वाधान में आयोजित अनुसूचित जाति जनजाति के विभिन्न संगठनों की एकता के लिए 30 सितंबर 2018 को दौसा में आयोजित महा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए श्री हरिनारायण बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के सभी लोगों को आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए संगठित होकर संघर्ष के लिए सजग रहने की आवश्यकता है श्री बैरवा ने अपने भाषण में निम्नलिखित प्रस्ताव रख कर सरकार का ध्यान भी आकर्षित किया गया–

(1) आरक्षण मुद्दे पर कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी (2) 2, अप्रैल 2018 को भारत बंद के दौरान दायर सभी मुकदमे वापस लिए जाएं (3) अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति का अविलंब भुगतान करवाया जाए (4) आरक्षण का अनुपात वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जनसंख्या

वृद्धि के अनुपात में अनुसूचित जाति को 16% के स्थान पर 17% एवं अनुसूचित जनजाति को 12% के स्थान पर 13% लागू किया जावे (5) अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राओं की भांति अनुसूचित जाति की मेधावी छात्राओं के लिए भी निशुल्क स्कूटी योजना प्रारंभ की जावे (6) अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की मूल भावना के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जावे (7) सामाजिक कुरीतियों जैसे मृत्यु भोज तीये की बैठक में भोजन नाश्ते की व्यवस्था पर प्रतिबंध, दहेज उन्मूलन के लिए सामूहिक विवाह समारोह को बढ़ावा देना जैसे प्रस्ताव सभी सामाजिक संगठनों द्वारा पारित कर लागू करवाए जाएं जिससे फिजूलखर्ची रोकी जा सके (8) अत्याचार के मामलों में सभी समाज एक दूसरे को साथ दे।

कार्यक्रम में बाबूलाल बैरवा (महुआ) प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा रामेश्वर बंसीवाल प्रदेश उपाध्यक्ष हीरालाल प्रदेश प्रचार मंत्री बाबूलाल बैरवा टोरडा जिला अध्यक्ष दौसा धन्ना लाल बैरवा जिला महामंत्री सहित सैकड़ों बैरवा बंधुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

नारायण मानव सेवा समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर। श्री नारायण मानव सेवा समिति द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय, रिको कॉलोनी पार्क, इण्डिया गेट, सीतापुरा, जयपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के तत्वावधान में पूर्ण किया गया, इस मौके पर मुख्य अतिथि राजस्थान पर्यावरण प्रकोष्ठ अध्यक्ष व समाज सेवी पुष्पेन्द्र भारद्वाज ने उपस्थित जन समुह को बताया कि रक्तदान मानव सेवा के लिये जरूरी कार्य है।

समिति अध्यक्ष चन्द्रमोहन बैरवा ने बताया कि शिविर में कुल 44 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया।

शिविर समाप्ति के पश्चात प्रत्येक रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया व समाजसेवियो व भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। इस मोके पर जनता दल युनाइटेड, सुशील कुमार सिन्हा, शशी शंकर झा, बिरदीचन्द शर्मा, सीताराम नेहरू, महेश चन्द सैनी, कृष्णकान्त टाटीवाल, महावीर सिंह गुर्जर, नेमीचन्द सैनी, राकेश महेश्वरी, संजीव झा, धर्मेन्द्र लोदिया, मदन नागरवाल, बालकिशन आकोदिया, सादिक हिस्दुस्तानी, पवन, प्रभुनारायण व समस्त कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थिति रहे।

सांगानेर विधानसभा में भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस से जुड़े 700 कार्यकर्ता

जयपुर। पोल-खोल कार्यक्रम में कांग्रेस नेता पर्यावरण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र भारद्वाज केसमक्ष सांगानेर के करीब 700 भाजपा कार्यकर्ता राजीव चौधरी उर्फ बबलू चोधरी के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। टोंक रोड स्थित हल्दी घाटी गेट के सामने शहनाईगार्डन, प्रताप नगर में भारद्वाज के नेतृत्व में पोल-खोल कार्यक्रम में गांधी जयंती पर शपथ लेते हुए इन सभी कार्यकर्ताओं ने कहा कि अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए अन्याय का विरोध करेंगे। इस मौके पर पुष्पेंद्र भारद्वाज ने कहा कि इनकी सदस्यता बताती है कि भाजपा और विधायक के छल से वे परेशान थे। इस अवसर पर पोल खोल अभियान से जुड़े वार्ड अध्यक्ष पप्पू शर्मा, हिमांशु शर्मा, दिनेश व्यास, अशोक शर्मा, विजय साहू, इलिहास खान, नवीन जांगिड़, चन्दा शर्मा, रामा शर्मा, लीलावती वर्मा सहित आम जन मौजूद थे।

150 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जयपुर। डॉ. अम्बेडकर उत्थान परिषद, जयपुर इन्दिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, JLN मार्ग, जयपुर में 15 वा प्रतिभा सम्मान समारोह खचाखच भरे औडोटोरिम में आयोजित हुआ। जिसमें अनुसूचित जाति के प्रतिभावान छात्र छात्राओं तथा जिन्होंने IAS, RAS प्रतियोगी परीक्षा,10, 12, स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षा या राज्य स्तर पर खेल क्षेत्र में, अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है, ऐसी 150 प्रतिभाओं का मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र द्वारा मुख्य अतिथि एम एस काला आईएएस, व अनिल गोठवाल RPS, प्रशांत बैरवा सचिव प्रदेश कांग्रेस, महेंद्र कुमार बैरवा Addl.Chief Eng., आर एस जाटोलिया R.Ac.S, रामकिशोर रैगर R.Ac.S,प्रभु लाल बैरवा R.Ac.S दीपचंद नागर अभियंता आदि के कर कमलों से सम्मानित किया।

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com